विकास

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» विकास क्या है: विभिन्न व्यक्तियों के अलग-अलग लक्ष्य

प्रश्न 1 (आसान). एक दुकानदार के लिए विकास का एक लक्ष्य बताओ।
उत्तर – उसकी दुकान पर ज़्यादा ग्राहक आएं और उसका मुनाफा बढ़े।

प्रश्न 2 (आसान). एक स्कूल छात्र के लिए विकास का एक लक्ष्य क्या हो सकता है?
उत्तर – अच्छे नंबरों से पास होना और नए दोस्त बनाना।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर एक गाँव में सड़क नहीं है, तो वहाँ के लोगों के लिए विकास का मुख्य लक्ष्य क्या होगा और क्यों?
उत्तर – गाँव में पक्की सड़क बनना मुख्य लक्ष्य होगा, क्योंकि इससे आवागमन आसान होगा, किसान अपनी फसल मंडी तक ले जा पाएंगे और बच्चों को स्कूल जाने में आसानी होगी।

प्रश्न 4 (कठिन). दो ऐसे विकास लक्ष्य बताओ जो आपस में विरोधाभासी हो सकते हैं। समझाओ क्यों।
उत्तर – उदाहरण के लिए: ज़्यादा बिजली बनाने के लिए बड़े बाँध बनाना एक उद्योगपति के लिए विकास हो सकता है। लेकिन इसी बाँध से विस्थापित होने वाले आदिवासी या किसानों के लिए यह विनाशकारी हो सकता है, क्योंकि उनका घर और ज़मीन छीन जाती है। दोनों के लक्ष्य एक-दूसरे के उलट हैं।

» आय और अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्य

प्रश्न 5 (आसान). क्या लोग केवल अधिक आय के लिए काम करते हैं?
उत्तर – नहीं, वे स्वतंत्रता, सुरक्षा, और सम्मान जैसे अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्यों को भी महत्व देते हैं।

प्रश्न 6 (आसान). आय के अलावा विकास के किन्हीं दो महत्वपूर्ण लक्ष्यों के नाम बताओ।
उत्तर – स्वतंत्रता और सुरक्षा।

प्रश्न 7 (मध्यम). एक महिला को वेतनभोगी कार्य करने से समाज में क्या अतिरिक्त लाभ मिलते हैं, जो सिर्फ आय से जुड़े नहीं हैं?
उत्तर – उसे घर और समाज में अधिक आदर मिलता है, और उसका काम ज़्यादा स्वीकार किया जाता है।

प्रश्न 8 (कठिन). क्यों भौतिक वस्तुएं (जो हम पैसों से खरीदते हैं) हमारे जीवन के लिए पर्याप्त नहीं हैं? एक उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – भौतिक वस्तुएं हमारे जीवन का एक हिस्सा हैं, लेकिन गैर-भौतिक चीजें जैसे दोस्ती, सम्मान, और सुरक्षा हमारे बेहतर जीवन के लिए आवश्यक हैं। जैसे, महंगे कपड़े पहनकर भी अगर कोई अकेला महसूस करे या उसे कोई इज़्ज़त न दे, तो वह खुश नहीं रह सकता।

» राष्ट्रीय विकास: विभिन्न धारणाएँ और निर्णय

प्रश्न 9 (आसान). आपके गाँव या शहर में एक नया हाईवे बनने वाला है। आपको क्या लगता है, इससे किसे फायदा होगा और किसे नुकसान?
उत्तर – फायदा: यात्रा आसान होगी, व्यापार बढ़ेगा। नुकसान: जिनके खेत या घर रास्ते में आएँगे, उन्हें हटना पड़ेगा।

प्रश्न 10 (आसान). अगर सरकार प्रदूषण फैलाने वाली एक पुरानी फैक्ट्री को बंद कर दे, तो किस-किस के लिए यह विकास होगा और किस-किस के लिए नहीं?
उत्तर – विकास: आसपास रहने वाले लोगों के लिए (अच्छा स्वास्थ्य), पर्यावरण के लिए। विकास नहीं: फैक्ट्री में काम करने वाले मज़दूरों के लिए (रोजगार का नुकसान), फैक्ट्री मालिक के लिए।

प्रश्न 11 (मध्यम). आपके हिसाब से भारत को विकसित बनाने के लिए सबसे ज़रूरी 3 चीज़ें क्या हैं? क्या इनमें कोई टकराव भी हो सकता है?
उत्तर – जैसे: शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार। टकराव: सबको अच्छी शिक्षा देने में बहुत पैसा लगता है, जो शायद तुरंत बड़े उद्योगों पर खर्च करने के लक्ष्य से टकरा सकता है।

प्रश्न 12 (कठिन). राष्ट्रीय विकास में 'न्यायपूर्ण निर्णय' लेने का क्या मतलब है? एक उदाहरण देकर समझाएँ।
उत्तर – न्यायपूर्ण निर्णय का मतलब है कि विकास के किसी भी प्रोजेक्ट से अधिकतम लोगों को फायदा हो और किसी का अनुचित नुकसान न हो। अगर नुकसान हो रहा है, तो उसकी भरपाई की जाए। जैसे, अगर एक गाँव की ज़मीन पर बिजली प्लांट बन रहा है, तो गाँव वालों को सिर्फ मुआवज़ा नहीं, बल्कि रोजगार में प्राथमिकता और उनके लिए बेहतर सुविधाएँ भी मिलनी चाहिए।

» देशों और राज्यों की तुलना: आय का मापदंड

प्रश्न 13 (आसान). अगर एक छोटे राज्य की कुल आय कम है, लेकिन जनसंख्या भी कम है, तो क्या उसकी प्रतिव्यक्ति आय ज़्यादा हो सकती है?
उत्तर – हाँ, बिल्कुल हो सकती है।

प्रश्न 14 (आसान). प्रतिव्यक्ति आय को और किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – औसत आय।

प्रश्न 15 (मध्यम). देश 'रामपुर' की कुल आय 50,000 करोड़ रुपये है और जनसंख्या 5 करोड़ है। देश 'श्यामपुर' की कुल आय 60,000 करोड़ रुपये है और जनसंख्या 8 करोड़ है। कौन सा देश अधिक विकसित माना जाएगा सिर्फ आय के आधार पर?
उत्तर – रामपुर की प्रतिव्यक्ति आय = 50,000 / 5 = 10,000 रुपये। श्यामपुर की प्रतिव्यक्ति आय = 60,000 / 8 = 7,500 रुपये। रामपुर अधिक विकसित माना जाएगा।

» औसत आय की सीमाएँ और अन्य मापदंड

प्रश्न 16 (आसान). अगर किसी देश की औसत आय बहुत ज़्यादा है, तो क्या यह हमेशा सही है कि वहाँ के सभी लोग अमीर होंगे?
उत्तर – नहीं, औसत आय ज़्यादा होने के बावजूद भी देश में आय की भारी असमानता हो सकती है, जिससे कुछ लोग बहुत अमीर और बाकी बहुत गरीब हो सकते हैं।

प्रश्न 17 (आसान). शिशु मृत्यु दर क्या दर्शाती है?
उत्तर – शिशु मृत्यु दर यह दर्शाती है कि प्रति 1000 जीवित जन्मों में कितने बच्चे अपनी पहली जन्मदिन से पहले ही मर जाते हैं। यह स्वास्थ्य सुविधाओं और पोषण के स्तर का एक महत्वपूर्ण सूचक है।

प्रश्न 18 (मध्यम). किसी देश के विकास को मापने के लिए साक्षरता दर और निवल उपस्थिति अनुपात क्यों महत्वपूर्ण हैं?
उत्तर – साक्षरता दर शिक्षा के स्तर को दिखाती है, और निवल उपस्थिति अनुपात बताता है कि कितने बच्चे स्कूल जा रहे हैं। ये दोनों मापदंड मानव पूंजी विकास के लिए ज़रूरी हैं, क्योंकि शिक्षित और स्वस्थ लोग ही देश के विकास में बेहतर योगदान दे सकते हैं। आय अकेले यह नहीं बता सकती कि लोग कितने पढ़े-लिखे या स्वस्थ हैं।

प्रश्न 19 (कठिन). एक काल्पनिक देश 'गंगा' की औसत आय बहुत ज़्यादा है, लेकिन वहाँ प्रदूषण बहुत अधिक है और अच्छी सरकारी स्कूल और अस्पताल नहीं हैं। वहीं, एक अन्य देश 'जमुना' की औसत आय थोड़ी कम है, पर वहाँ प्रदूषण कम है और बेहतरीन सार्वजनिक स्कूल व अस्पताल हैं। आप किस देश को 'अधिक विकसित' मानेंगे और क्यों?
उत्तर – मैं देश 'जमुना' को अधिक विकसित मानूँगा। क्योंकि 'जमुना' में भले ही औसत आय थोड़ी कम हो, लेकिन वहाँ लोगों को स्वच्छ वातावरण, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल रही हैं। ये सुविधाएँ सीधे तौर पर लोगों के जीवन की गुणवत्ता सुधारती हैं, जो केवल पैसे से नहीं खरीदी जा सकतीं। औसत आय केवल 'पैसे कमाने की क्षमता' बताती है, जबकि वास्तविक विकास में 'अच्छी ज़िंदगी जीने की क्षमता' भी शामिल है।

» सार्वजनिक सुविधाएँ और सामूहिक लाभ

प्रश्न 20 (आसान). निम्न में से कौन सी एक सार्वजनिक सुविधा है? क) आपका निजी मोबाइल फ़ोन, ख) आपके शहर का बस स्टैंड, ग) आपके घर की टीवी।
उत्तर – ख) आपके शहर का बस स्टैंड।

प्रश्न 21 (आसान). क्या सिर्फ़ अमीर होना ही अच्छे जीवन की गारंटी है? हाँ या नहीं?
उत्तर – नहीं।

प्रश्न 22 (मध्यम). आपके हिसाब से, एक प्रदूषण मुक्त वातावरण क्यों ज़रूरी है, भले ही आपके पास खूब पैसा हो?
उत्तर – प्रदूषण मुक्त वातावरण हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी है। अगर हम प्रदूषित हवा में साँस लेंगे या गंदा पानी पिएँगे, तो बीमार पड़ सकते हैं, चाहे हमारे पास कितना भी पैसा क्यों न हो। पैसे से स्वास्थ्य को वापस नहीं खरीदा जा सकता।

प्रश्न 23 (कठिन). सोचिए, अगर किसी शहर में लोगों की आय बहुत ज़्यादा हो, लेकिन वहाँ सार्वजनिक सुरक्षा बिल्कुल न हो। ऐसे में लोग कैसे महसूस करेंगे और उनके जीवन पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – अगर सार्वजनिक सुरक्षा नहीं होगी, तो लोग हमेशा डर में जिएंगे। वे अपनी कमाई का आनंद नहीं ले पाएंगे, बाहर जाने से डरेंगे, बच्चों को स्कूल भेजने में हिचकेंगे। उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित होगा और कुल मिलाकर जीवन की गुणवत्ता बहुत गिर जाएगी। सुरक्षा के बिना, पैसा भी कोई खास खुशी नहीं दे पाएगा।

» मानव विकास रिपोर्ट: एक व्यापक दृष्टिकोण

प्रश्न 24 (आसान). मानव विकास रिपोर्ट (HDR) किस संस्था द्वारा प्रकाशित की जाती है?
उत्तर – UNDP (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम)

प्रश्न 25 (आसान). HDI का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – Human Development Index (मानव विकास सूचकांक)

प्रश्न 26 (मध्यम). मानव विकास सूचकांक (HDI) मापने के कौन-कौन से तीन मुख्य मापदंड हैं?
उत्तर – 1. स्वास्थ्य स्थिति (जीवन प्रत्याशा), 2. शिक्षा का स्तर, 3. प्रति व्यक्ति आय।

प्रश्न 27 (कठिन). विश्व बैंक द्वारा देशों के वर्गीकरण और UNDP की मानव विकास रिपोर्ट में क्या मुख्य अंतर है?
उत्तर – विश्व बैंक केवल 'प्रति व्यक्ति आय' (केवल आर्थिक पहलू) के आधार पर तुलना करता है, जबकि UNDP आय के साथ-साथ 'शिक्षा' और 'स्वास्थ्य' (मानव कल्याण के पहलू) को भी शामिल करके एक व्यापक सूचकांक तैयार करता है।

» विकास की धारणीयता: भविष्य की चिंताएँ

प्रश्न 28 (आसान). अगर हम सभी पेड़ काट दें, तो पर्यावरण पर क्या असर होगा?
उत्तर – हवा गंदी हो जाएगी और बारिश कम होगी।

प्रश्न 29 (आसान). जल ही जीवन है। इसे बचाने के लिए एक छोटा सा काम बताओ जो तुम कर सकते हो।
उत्तर – नहाते समय बाल्टी-मग का इस्तेमाल करना और नल खुला न छोड़ना।

प्रश्न 30 (मध्यम). धारणीय विकास से आप क्या समझते हैं? (एक वाक्य में)
उत्तर – धारणीय विकास का अर्थ है वर्तमान की जरूरतों को पूरा करना बिना भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को खतरे में डाले।

प्रश्न 31 (कठिन). क्या आप सोचते हैं कि सिर्फ़ आर्थिक विकास ही काफी है? अपने जवाब का कारण दो।
उत्तर – नहीं, सिर्फ़ आर्थिक विकास काफी नहीं है, क्योंकि अगर यह पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है और सामाजिक असमानता बढ़ाता है, तो यह भविष्य के लिए टिकाऊ नहीं होगा। हमें 'धारणीय विकास' चाहिए।

» संसाधनों का अति-उपयोग और संरक्षण

प्रश्न 32 (आसान). कच्चा तेल कौन से प्रकार का संसाधन है - नवीकरणीय या गैर-नवीकरणीय?
उत्तर – गैर-नवीकरणीय संसाधन।

प्रश्न 33 (आसान). अगर हम अपनी ज़रूरतों से ज़्यादा बिजली खर्च कर रहे हैं, तो इसे क्या कहेंगे?
उत्तर – संसाधनों का अति-उपयोग।

प्रश्न 34 (मध्यम). पेड़ों की लगातार कटाई किस तरह का अति-उपयोग है और इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?
उत्तर – यह एक नवीकरणीय संसाधन (वन) का अति-उपयोग है। इसके परिणाम मिट्टी का कटाव, बारिश में कमी और जैव विविधता का नुकसान हो सकते हैं।

प्रश्न 35 (कठिन). कच्चे तेल के भण्डार सीमित हैं और कुछ सालों में खत्म हो सकते हैं। भारत जैसे देश जो तेल के आयात पर निर्भर हैं, उन्हें भविष्य में क्या चुनौतियाँ झेलनी पड़ सकती हैं और इन चुनौतियों से निपटने के लिए क्या करना चाहिए?
उत्तर – चुनौतियाँ: तेल की बढ़ती कीमतें, ऊर्जा सुरक्षा का संकट, आर्थिक बोझ। समाधान: वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों (सौर, पवन ऊर्जा) का विकास, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, ऊर्जा दक्षता में सुधार।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक किसान और एक शहर में रहने वाली लड़की के लिए 'विकास' के दो अलग-अलग लक्ष्य बताइए।

› पहले किसान के बारे में सोचते हैं। किसान को क्या चाहिए होता है?
› उसे अपनी फसल के लिए अच्छा दाम मिले।
› खेती के लिए पानी और अच्छी खाद मिले।
› अब शहर की लड़की के बारे में सोचते हैं। उसे क्या चाहिए होगा?
› उसे अच्छी शिक्षा मिले और वह अपनी पसंद का करियर चुन सके।
› उसे समाज में बराबरी का सम्मान मिले और वह सुरक्षित महसूस करे।

उत्तर – किसान के लिए विकास के लक्ष्य: फसल का उचित मूल्य और बेहतर सिंचाई सुविधाएँ। शहर में रहने वाली लड़की के लिए विकास के लक्ष्य: अच्छी शिक्षा, करियर की आज़ादी और समाज में सुरक्षा व समानता।

उदाहरण 2. रमेश एक शहर में नौकरी करना चाहता है। उसे दो कंपनियों से प्रस्ताव मिलते हैं। कंपनी A उसे 50,000 रुपये प्रति माह का वेतन देती है, लेकिन वहाँ काम के घंटे तय नहीं हैं, और बॉस बहुत सख्त हैं। कंपनी B उसे 40,000 रुपये प्रति माह का वेतन देती है, लेकिन वहाँ काम के घंटे निश्चित हैं, उसे सीखने के नए अवसर मिलेंगे, और काम का माहौल दोस्ताना है। रमेश कौन सा विकल्प चुनेगा और क्यों?

› रमेश सिर्फ आय (पैसे) पर ध्यान नहीं देगा।
› वह कंपनी A में अधिक आय के साथ जुड़ी नकारात्मक बातों को देखेगा: अनिश्चित काम के घंटे और सख्त बॉस, जिससे उसकी स्वतंत्रता और सुरक्षा प्रभावित होगी।
› वह कंपनी B में कम आय के साथ मिलने वाले अन्य लक्ष्यों पर विचार करेगा: निश्चित घंटे (सुरक्षा), सीखने के अवसर (आत्म-विकास), और दोस्ताना माहौल (सम्मान और बराबरी)।
› रमेश यह सोचेगा कि उसके लिए कौन से लक्ष्य ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं - सिर्फ आय या आय के साथ-साथ स्वतंत्रता, सुरक्षा और बेहतर माहौल।

उत्तर – रमेश संभवतः कंपनी B चुनेगा क्योंकि उसके लिए आय के साथ-साथ सुरक्षा, स्वतंत्रता और अच्छा काम का माहौल भी महत्वपूर्ण है, जो उसे कंपनी B में बेहतर मिल रहे हैं।

उदाहरण 3. एक शहर के बीचों-बीच पुरानी बस्ती को हटाकर एक बड़ा शॉपिंग मॉल बनाने का प्रस्ताव है। मॉल बनने से शहर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और नए रोजगार भी पैदा होंगे, लेकिन बस्ती में रहने वाले सैकड़ों परिवार बेघर हो जाएँगे। राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में इस स्थिति का विश्लेषण करें और बताएं कि निर्णय कैसे लिया जाना चाहिए।

› पहला कदम: दोनों पक्षों के विचारों को समझना। मॉल बनाने वालों और शहर के कुछ लोगों के लिए यह विकास है, क्योंकि इससे शहर की शान बढ़ेगी, आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी, और रोजगार मिलेंगे।

› दूसरा कदम: बस्ती वालों के दृष्टिकोण को समझना। उनके लिए यह विकास नहीं, बल्कि विस्थापन और बर्बादी है। उनका घर, उनकी आजीविका, उनकी पहचान सब खतरे में है।

› तीसरा कदम: यह देखना कि किस निर्णय से ज़्यादा लोगों को लाभ होगा और किसे कम से कम नुकसान हो। क्या मॉल के लिए कोई और जगह उपलब्ध है?

› चौथा कदम: अगर मॉल बनाना ही ज़रूरी है, तो बेघर होने वाले परिवारों के लिए क्या न्यायपूर्ण समाधान है? क्या उन्हें अच्छी जगह पर नए घर दिए जा सकते हैं? क्या उन्हें रोज़गार के नए अवसर दिए जा सकते हैं? क्या उचित मुआवज़ा दिया जा सकता है?

› पांचवां कदम: राष्ट्रीय विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि लोगों की भलाई और न्याय भी है। इसलिए, ऐसा समाधान खोजना होगा जो आर्थिक लाभ के साथ-साथ मानवीय मूल्यों और न्याय का भी ध्यान रखे।

उत्तर – इस स्थिति में, राष्ट्रीय विकास का निर्णय लेते समय केवल आर्थिक लाभ पर ध्यान नहीं दिया जा सकता। बेघर होने वाले परिवारों के लिए उचित पुनर्वास, मुआवज़ा और नए रोज़गार के अवसर सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि विकास की प्रक्रिया में कोई भी पीछे न छूटे। सभी के लिए न्यायपूर्ण और संतुलित रास्ता चुनना ही सही राष्ट्रीय विकास है।

उदाहरण 4. मान लीजिए, देश 'अ' की कुल आय ₹10,000 करोड़ है और जनसंख्या 10 करोड़ है। देश 'ब' की कुल आय ₹12,000 करोड़ है और जनसंख्या 20 करोड़ है। किस देश की प्रतिव्यक्ति आय ज़्यादा है?

› स्टेप 1: देश 'अ' की प्रतिव्यक्ति आय निकालें। सूत्र है: कुल आय / कुल जनसंख्या। तो, ₹10,000 करोड़ / 10 करोड़ = ₹1,000 प्रति व्यक्ति।

› स्टेप 2: देश 'ब' की प्रतिव्यक्ति आय निकालें। सूत्र है: कुल आय / कुल जनसंख्या। तो, ₹12,000 करोड़ / 20 करोड़ = ₹600 प्रति व्यक्ति।

› स्टेप 3: दोनों की तुलना करें। देश 'अ' की प्रतिव्यक्ति आय ₹1,000 है और देश 'ब' की ₹600 है।

उत्तर – देश 'अ' की प्रतिव्यक्ति आय (₹1,000) देश 'ब' (₹600) से ज़्यादा है।

उदाहरण 5. तालिका 1.3 में हरियाणा की प्रतिव्यक्ति आय ₹3,25,759 और केरल की ₹2,81,001 है। तालिका 1.4 में हरियाणा की शिशु मृत्यु दर 28 और केरल की 6 है। इन आंकड़ों के आधार पर समझाइए कि औसत आय अकेले विकास का सही मापदंड क्यों नहीं है?

› पहला चरण: औसत आय के हिसाब से देखें तो हरियाणा की प्रतिव्यक्ति आय केरल से ज़्यादा है।

› दूसरा चरण: अगर हम सिर्फ औसत आय देखें, तो हम सोचेंगे कि हरियाणा केरल से ज़्यादा विकसित है।

› तीसरा चरण: अब शिशु मृत्यु दर के आंकड़े देखते हैं। हरियाणा में 1000 बच्चों में से 28 बच्चे एक साल से पहले मर जाते हैं, जबकि केरल में सिर्फ 6।

› चौथा चरण: यह दिखाता है कि केरल में बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति हरियाणा से कहीं बेहतर है, भले ही उसकी प्रतिव्यक्ति आय थोड़ी कम हो।

› पाँचवाँ चरण: निष्कर्ष यह निकलता है कि सिर्फ़ औसत आय देखकर हम किसी राज्य के विकास को पूरी तरह नहीं समझ सकते। हमें स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे अन्य मापदंड भी देखने होंगे।

उत्तर – औसत आय के हिसाब से हरियाणा आगे दिखता है, लेकिन शिशु मृत्यु दर के मामले में केरल बहुत बेहतर है। इससे पता चलता है कि आय अकेले विकास का पूरा पैमाना नहीं है, हमें लोगों के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता जैसे अन्य पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा।

उदाहरण 6. मान लीजिए एक गाँव में सभी लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन वहाँ पीने के पानी की सुविधा नहीं है और सब दूर से पानी भर कर लाते हैं। क्या ये गाँव पूरी तरह विकसित कहा जा सकता है?

› पहला कदम: गाँव की अच्छी कमाई 'आय' के पैमाने पर तो उसे विकसित दिखाती है।

› दूसरा कदम: लेकिन 'स्वच्छ पीने का पानी' एक मूलभूत सार्वजनिक सुविधा है।

› तीसरा कदम: इस सुविधा के अभाव में, लोगों को अपनी अच्छी कमाई के बावजूद कठिनाई होती है, उनका समय और ऊर्जा पानी लाने में लगती है, और स्वास्थ्य को भी खतरा रहता है।

› चौथा कदम: इसीलिए, केवल आय से ही विकास नहीं मापा जा सकता। सार्वजनिक सुविधाओं की उपलब्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

उत्तर – नहीं, यह गाँव पूरी तरह विकसित नहीं कहा जा सकता क्योंकि आय के बावजूद वहाँ एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा (स्वच्छ पानी) की कमी है, जो जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

उदाहरण 7. मान लीजिए दो देश 'क' और 'ख' हैं। देश 'क' की प्रति व्यक्ति आय $10,000 है लेकिन जीवन प्रत्याशा 55 वर्ष और साक्षरता 60% है। देश 'ख' की प्रति व्यक्ति आय $7,000 है लेकिन जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष और साक्षरता 90% है। HDI दृष्टकोण के अनुसार कौन-सा देश बेहतर वकास स्तर पर है?

› स्टेप 1: केवल प्रति व्यक्ति आय देखें, तो देश 'क' ($10,000) देश 'ख' ($7,000) से आगे दिखता है।

› स्टेप 2: मानव विकास रिपोर्ट (HDI) के अन्य दो मापदंडों – स्वास्थ्य (75 वर्ष बनाम 55 वर्ष) और शिक्षा (90% बनाम 60%) की तुलना करें, जिसमें देश 'ख' का प्रदर्शन देश 'क' से बहुत बेहतर है।

› स्टेप 3: HDI केवल आय को नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा के औसत को भी समान महत्व देता है।

उत्तर – मानव विकास रिपोर्ट (HDI) के व्यापक दृष्टिकोण के अनुसार देश 'ख' मानव विकास के मामले में देश 'क' से अधिक उन्नत और बेहतर स्थिति में है।

उदाहरण 8. एक गाँव में किसान अपनी फसल उगाने के लिए सिर्फ़ बोरवेल के पानी पर निर्भर हैं। हर साल वे ज़्यादा से ज़्यादा फसल उगाने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा पानी निकालते हैं। अगर वे इसी तरह पानी निकालते रहे तो भविष्य में क्या समस्या आ सकती है और इसे रोकने के लिए धारणीय विकास का क्या उपाय हो सकता है?

› स्टेप 1: समस्या पहचानना - किसान बहुत तेज़ी से भूजल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे भूजल स्तर नीचे जा रहा है।

› स्टेप 2: भविष्य की चिंता - अगर ऐसा ही चलता रहा, तो कुछ सालों में बोरवेल सूख जाएँगे और अगली पीढ़ियों को पानी नहीं मिलेगा, जिससे खेती और जीवन मुश्किल हो जाएगा।

› स्टेप 3: धारणीय उपाय सोचना - किसानों को बारिश के पानी को इकट्ठा करने (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) के तरीके अपनाने चाहिए। कम पानी में उगने वाली फसलें लगानी चाहिए। टपक सिंचाई (ड्रिप इरीगेशन) का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि पानी बर्बाद न हो।

› स्टेप 4: समझाना - इन तरीकों से वे आज भी खेती कर पाएँगे और भविष्य के लिए भी पानी बचा रहेगा। यही धारणीय विकास है।

उत्तर – भूजल के अत्यधिक दोहन से भविष्य में पानी की भारी कमी हो जाएगी। धारणीय उपाय के तौर पर वर्षा जल संचयन, जल-कुशल फसलें उगाना और आधुनिक सिंचाई तकनीकों (जैसे टपक सिंचाई) का उपयोग करना चाहिए ताकि वर्तमान आवश्यकताएँ भी पूरी हों और भविष्य के लिए संसाधन भी बचे रहें।

उदाहरण 9. मान लीजिए आपके इलाके में भूमिगत जल का स्तर हर साल 1 मीटर गिर रहा है, जबकि बारिश से सिर्फ 0.5 मीटर ही पानी वापस आ पाता है। यह कौन सी समस्या है और इसका समाधान क्या हो सकता है?

› पहला कदम है समस्या को पहचानना: भूमिगत जल के गिरने का मतलब है कि हम जितना पानी निकाल रहे हैं, उससे कम पानी ज़मीन में वापस जा रहा है।

› यह 'संसाधनों का अति-उपयोग' है, खासकर 'नवीकरणीय संसाधन' भूमिगत जल का। क्योंकि इसकी भरपाई से ज़्यादा इसका इस्तेमाल हो रहा है।

› समाधान के लिए हमें दो काम करने होंगे: पहला, पानी का इस्तेमाल कम करें। जैसे, सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन या स्प्रिंकलर सिस्टम का प्रयोग करें।

› दूसरा, पानी की बचत करें और उसे ज़मीन में वापस जाने में मदद करें। जैसे, रेन वाटर हार्वेस्टिंग (बारिश का पानी

इकट्ठा करना) और तालाब बनाना।

उत्तर – यह भूमिगत जल का अति-उपयोग है, जिसका समाधान जल के संयमित उपयोग और जल संरक्षण (जैसे वर्षा जल संचयन) में है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर आधारित प्रश्न आते हैं कि विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए विकास के लक्ष्य कैसे अलग होते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि 'विकास के लक्ष्य' केवल आय तक सीमित क्यों नहीं हैं? इस पर एक विस्तृत उत्तर तैयार रखें, जिसमें गैर-भौतिक पहलुओं को उदाहरणों सहित समझा सकें।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'मूल्य-आधारित प्रश्न' (value-based questions) के रूप में आती है, जहाँ आपको किसी स्थिति का विश्लेषण करके 'न्यायपूर्ण और सही राह' पर अपने विचार देने होते हैं।

• प्रतिव्यक्ति आय की परिभाषा और उसका सूत्र बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछा जाता है। इसे अच्छे से समझ लो और याद कर लो।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए सीधे महत्वपूर्ण है। आपसे 'विकास के गैर-आय पहलुओं' पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं, जिसमें सार्वजनिक सुविधाओं का उल्लेख करना अनिवार्य होगा।

• बोर्ड परीक्षा में 3 से 5 अंकों वाले प्रश्नों में 'विश्व बैंक' और 'UNDP' की रिपोर्ट के बीच तुलना अक्सर पूछी जाती है – तीनों घटकों (आय, शिक्षा, स्वास्थ्य) को अलग-अलग शीर्षकों में ज़रूर लिखें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'धारणीयता' की परिभाषा और इसके महत्व पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं, इसलिए इसके उदाहरणों और उपायों को ध्यान से समझें।

• यह विषय धारणीय विकास से जुड़ा है और अक्सर बोर्ड परीक्षा में 'संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता' या 'कच्चे तेल जैसे गैर-नवीकरणीय संसाधनों के महत्व' पर प्रश्न आते हैं। तालिका वाले प्रश्नों पर भी ध्यान दें।

एक नज़र में रिवीज़न

› विकास लक्ष्य व्यक्ति की ज़रूरतों और आकांक्षाओं पर निर्भर करते हैं।

› विकास = आय + स्वतंत्रता + सुरक्षा + सम्मान + बराबरी।

› राष्ट्रीय विकास: विविध धारणाएँ; न्यायपूर्ण निर्णय चुनना चुनौती।

› देशों की तुलना के लिए औसत आय (प्रतिव्यक्ति आय) मुख्य मापदंड है।

› विकास हेतु आय के साथ सार्वजनिक सुविधाएँ (प्रदूषण मुक्त वातावरण, सुरक्षा) भी आवश्यक।

› मानव विकास रिपोर्ट (UNDP) = आय + शिक्षा + स्वास्थ्य के आधार पर देशों की तुलना।

› धारणीयता: वर्तमान की जरूरतें, भविष्य को खतरा नहीं, संसाधनों का सदुपयोग।

› संसाधनों का अति-उपयोग रोको, संरक्षण करो; नवीकरणीय-गैर-नवीकरणीय का संतुलन बनाओ।